

~~DEVI AHILYA VISHWAVIDYALAYA, INDORE~~

ORDINANCE NO. 102*

①

1. DEGREE TITLE : MASTER OF MANAGEMENT SCIENCE

2. NAME OF FACULTY : FACULTY OF MANAGEMENT

3. DURATION OF COURSE : FIVE YEARS AFTER 10+2

4. ELIGIBILITY :

A candidate should have passed 10+2 with minimum 50% marks from any recognized State / Central Educational Board or equivalent.

5. ADMISSION PROCEDURE :

As decided by Devi Ahilya Vishwavidyalaya from time to time..

6. TOTAL SEATS :

As per Statute No.27 of Devi Ahilya Vishwavidyalaya.

7. FEE STRUCTURE :

As decided by Devi Ahilya Vishwavidyalaya.

8. EXAMINATION CURRICULUM & RELATED REGULATIONS :

As per Ordinance 31 of Devi Ahilya Vishwavidyalaya.

9. ELIGIBILITY FOR DEGREE :

A candidate who completes successfully first three years requirement of examinations as per Ordinance No.31 will be awarded Bachelor of Management Science, and on further successful completion of two year as per Ordinance No.31 will be awarded Master of Management Science.

10. ATTENDANCE REQUIREMENT :

A candidate should have at least 75% attendance in Theory and Practical separately. In exceptional cases it may be relaxed as admissible under applicable Ordinances.

11. GENERAL INSTRUCTIONS & SPECIFIC PROVISION :

6. For matters not covered in this Ordinance, General Rules of DEVI AHILYA VISHWAVIDYALAYA as applicable in Semester/Annual Examination shall apply. In other matters EXECUTIVE COUNCIL of DEVI AHILYA VISHWAVIDYALAYA shall be competent to take decision.

* As per decision of the Coordination Committee meeting dated 4th September 2000, the course can be conducted by the University Teaching Depts. only.

358

VIKRAM UNIVERSITY, UJJAIN
ORDINANCE NO. 66

DEVI AHILYA VISHWAVIDYALAYA
INDORE

ORDINANCE NO. 33

REGULATIONS FOR BACHELOR OF LAW EXAMINATION
FOR B.A., LL.B. (HONS.) DEGREE
(Five Years' course)

(Faculty of Law)

The Degree of Bachelor of Laws (B.A., LL.B. (HONS)) shall comprise a course of study spread over a period of Five Academic years and the candidates will be regular students.

THE ELIGIBILITY FOR ADMISSION SHALL BE AS FOLLOWS:

At the time of joining the course of instruction in law, the person concerned has passed an examination in 10 + 2 (or 11 + 1) course of schooling recognised by the educational authority of Central or State Governments. In possession academic qualifications are considered equivalent to 10 + 2 (or 11 + 1) course for the Council of India.

Entry would be permitted in Third Year of the course for the regular students in any discipline as prescribed by the Council of the University. The number of students in each year will depend on the availability of seats and the number of such candidates would be decided by the Council of the University.

A candidate must have completed the age of 17 years at the time of admission.

द्वयमुपविशतः

1. नामपरिवर्तनम्

द्वयाणां नामान्तरणमहृतम् ईदेषु ओपधीना नामरूपान्तरणं बोध्यम् । ओपधीनां विविधतापरम्परया, तन्नाम्नां पर्यायानां च संकीर्णतां बोधयितुं प्रयत्नयन्तम् ।

क. वाचस्पत्येण, ओपधीनां द्वयमुपविशतः प्रथमं नामान्तरणं च । तदुक्तं तन्नाम्नां पर्यायानां परिचयः कार्यमुपविशतः च ।

2. मूलकर्म विज्ञानम्

भाषिणः सिद्धान्तात् स्वामुणशीर्यविधाकारिणां विदेशनम्, ओपधीद्वयाणां कर्तृत्वप्रत्यया च मूलकर्मसाधनप्रधानां कर्तृत्वप्रतीकणम् । मूलकर्मसाधनस्य सम्यक्विधानामुपकरणयन्त्राणां च परिचयः कार्यमुपविशतः च ।

3. प्रयोगविज्ञानम् औपयोगविज्ञानं च

ओपधीद्वयाणां अहोरात्रद्वयाणां च विविधत्वमेव संज्ञासिद्धयर्थं मूलकर्मसाधनम् । तदौपयोगपर्यवेष्टी विद्वेषात्पुनः अद्युक्तिकेन प्रयोगान्तं, कर्मसौकर्यदृष्ट्या च, द्वयं संयोगं विरोध-संख्या-अन्यद्वयादीनां भाषाणां विषयः ।

4. निष्पत्त्योः स्वल्प विज्ञानप्रश्नस्य

द्वयमुपविशतः मन्वेति वृत्ताधिकः परिचयः प्रथमदि-संज्ञानिष्ठप्रवृत्तिमपत्तौ निष्पत्त्युपयोगस्यैव कर्तृत्वप्रतीकण-निष्पत्त्युपयोगस्य परिचयः ।

भाषास्वरूपः :

1. 1. /द्वय ओपधिभूतं नामान्तरणसहितम् । चरकमुपनिषत्प्रवृत्तौ मूलकर्मसाधनं भाः ।
2. द्वयमुपविज्ञानम् --- पादपत्नी त्रिकमनी आचार्य ।
3. द्वयमुपविज्ञानम् --- मन्वेति विद्वत्तु मन्वेति ।
4. औपयोगविज्ञानम् --- मन्वेति विद्वत्तु मन्वेति ।
5. निष्पत्त्योः स्वल्पविज्ञानम् --- मन्वेति विद्वत्तु मन्वेति ।
6. मन्वेतिनिष्पत्त्युपयोगसहितः
7. भाषास्वरूपविज्ञानम्
8. भाषास्वरूपम्
9. औपयोगविज्ञानम् --- मन्वेति विद्वत्तु मन्वेति ।
10. द्वयमुपविज्ञानं मन्वेति आधुनिकः प्रयाः

//= विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन =//

=x=x=x=x=x=x-y-y-y=x=y=y=x=

समन्वय समिति की 45वीं बैठक दिनांक

24 अप्रैल 1992

ब-1 विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन का अध्यादेश क्रमांक 3 में संशोधन

विज्ञान संकाय के विषयों की सूची में क्रमांक 9] कम्प्यूटर साइंस जोड़ने तथा कम्प्यूटर विभाग एवम् अध्ययन बोर्ड को विज्ञान संकाय के अंतर्गत रहने का प्रस्ताव समन्वय समिति ने मान्य किया।

। कार्यवाही-विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन।

ब-3 ए.ए.ए. विश्वविद्यालय, रायपुर का अध्यादेश क्रमांक 4 में संशोधन

समन्वय समिति ने यह तय किया है कि 23.4.1992 से सभी विश्वविद्यालयों में यू.जी.सी. के नवीनतम निर्धारित मानदण्ड तथा गाइड लाइंस के अनुसार ही नियुक्तियां हो। इसी तरह यात्रिकी छंद संकाय में ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा निर्धारित गाइडलाइंस ही लागू मानी जाए।

। कार्यवाही- सभी विश्वविद्यालय।

ब-7 विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन का अध्यादेश क्रमांक 5 में संशोधन

अध्यादेश क्रमांक 5 [3] [6] के पश्चात् [7] को जोड़ने का प्रस्ताव है जिससे विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षा केन्द्रों के लिए उद्देश्य की नियुक्ति की जा सके ताकि विश्वविद्यालय परीक्षाओं का कार्य सुचारु रूप से संपन्न हो सके। समन्वय समिति ने निर्णय लिया कि संरचना एवम् नियुक्ति की प्रक्रिया के प्रावधानों को स्पष्ट कर पुरुरीभित प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाय।

। कार्यवाही-विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन।

ब-9 विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन के अध्यादेश क्रमांक 6 में संशोधन

। परीक्षा शुल्क को लौटाना।

परीक्षार्थियों के आवेदन रद्द करने की स्थिति में अध्यादेश क्रमांक 6 [24] [2] तथा [3] में रुपये 5/- की कटौती कर शेष राशि लौटाने का प्रावधान है। अब समिति ने 5/- की कटौती के स्थान पर 15/- की वृद्धि की अनुमति दी है।

ब-10 विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन का अध्यादेश क्रमांक 6 में संशोधन

अध्यादेश क्रमांक 6 §35§3 में एल.एल.बी. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की परीक्षा में पूरक की पात्रता हेतु न्यूनतम 20% अंक की के संबंध में अन्य विश्वविद्यालय की स्थिति, उपस्थित कूलपतियों से ज्ञात कर समिति ने संशोधन की स्वीकृति दी ।

। कार्यवाही- विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन ।

ब-11 विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन का अध्यादेश क्रमांक 6 में संशोधन;

प्रस्ताव है कि स्नातक प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय वर्ष में एक जैसे ही विषय हों । द्वितीय व तृतीय वर्ष की परीक्षा के लिए वही विषय होंगे जो क्रमशः प्रथम एवं द्वितीय वर्ष परीक्षा में लिए थे तथा संकाय परिवर्तन के लिए अनुमति नहीं होगी । 10+2+3 प्रणाली के उदभव के कारण समिति ने यह प्रस्ताव मान्य किया । यह संशोधन दिनांक दिनांक 27.3.91 से प्रभावशील होगा ।

। कार्यवाही- विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन ।

ब-13 विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन का अध्यादेश क्रमांक 7 में संशोधन

समिति ने न्यूनतम निर्देशों के अनुरूप अध्यादेश 7 §6 §3 में बी.एड. में प्रवेश नियंत्रित करने की अनुमति दी ।

। कार्यवाही- विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन ।

ब-15 विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन का अध्यादेश क्रमांक 11 में संशोधन

परीक्षा शुल्क तथा अन्य शुल्कों की दरों में वृद्धि का प्रस्ताव मान्य किया ।

। कार्यवाही- विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन ।

ब-17 विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन का अध्यादेश क्रमांक 12 में संशोधन

समन्वय समिति द्वारा पी.एच.डी. से संबंधित अनुमोदित नवीन अध्यादेश सश्री विश्वविद्यालय द्वारा प्रभावशील करने का निर्णय दिया है । अतः इस विश्वविद्यालय में यह संशोधन समिति

ब-18

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन के अध्यादेश क्रमांक 22 में संशोधन

सेमेस्टर पद्धति की परीक्षा में पूरक पाने वाले परीक्षार्थियों की पात्रता शर्तों के स्पष्टीकरण स्वरूप यह संशोधन समिति ने मान्य किया।

। कार्यवाही-विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन।

ब-22-

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन का अध्यादेश क्रमांक 27 में संशोधन

एम.बी.ए. परीक्षा में पूरक या द्वितीय परीक्षा का प्रावधान नहीं है। समिति ने उपस्थिति की कमी के कारण परीक्षा में रोके गए परीक्षार्थियों को पुनः उसी सेमेस्टर में प्रवेश सुरक्षित रखने के लिए यह संशोधन मान्य किया।

। कार्यवाही-विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन।

ब-23

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन का अध्यादेश क्रमांक 30 में संशोधन

यात्रिकी संकाय को सेमेस्टर परीक्षाओं में प्रसादांक लाभ के लिए है। समन्वय समिति ने निर्णय लिया है कि एक सेमेस्टर में 03 अंक का प्रसादांक ही दिया जाये जो केरी फार्मेट नहीं होगा।

। कार्यवाही-विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन।

ब-25

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन का अध्यादेश क्रमांक 34 में संशोधन

यह संशोधन प्रस्ताव एम.ई. परीक्षाओं से संबंधित है, जिसको संचालक तकनीकी शिक्षा ने परीक्षण कर अनुमोदन की अनुमति की है। समिति ने संशोधन प्रस्ताव को मान्य किया।

। कार्यवाही- विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन।

ब-26

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन का अध्यादेश क्रमांक 35 में संशोधन

म.प्र. में अन्य राज्यों से आने वाले छात्रों को विधि पाठ्यक्रम में प्रवेश के समय फीस लिए जाने के संबंध में प्रस्ताव को समिति ने मान्य किया।

। कार्यवाही-विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन।

ब-27 विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन का अध्यादेश क्रमांक 26 में संशोधन.

आयुर्वेद संकाय में पी.एच.डी. उपाधि हेतु नवीन अध्यादेश तैयार किया जाना। समिति ने निर्णय लिया कि प्रस्ताव पुनरीक्षित कर प्रस्तुत किया जाय।

【कार्यवाही-विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन】

ब-28 विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन का अध्यादेश क्रमांक 37 में संशोधन.

समिति ने पुस्तकालय का कार्य सुचारु रूप से संपालित हो इसके लिए प्रस्तावित नवीन अध्यादेश मान्य किया।

【कार्यवाही -विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन】

ब-34 अध्यादेश प्रतापसिंह विश्वविद्यालय, रीवा के अध्यादेश क्रमांक 71 में संशोधन. 28.11.52 (76)

संशोधन का प्रस्ताव विभागाध्यक्षों की नियुक्ति एवम् सेवा शर्तों के संबंध में है.

प्रिन्सिपल समिति ने इसमें से पैरा-2 से तीन वर्ष की अवधि के उल्लेख को विलोपित किए जाने एवम् पैरा-4 के उपखण्ड [X] के पश्चात् [XI] उपखण्ड निम्नानुसार अन्तः स्थापित किया जाने का निर्णय लिया :-

(XII) "The Head of the department would ensure the participation of his Colleagues in remunerative and non remunerative work of the university including the examination work".

इन्दौर विश्वविद्यालय के कुलपति ने रिवाइज्ड ड्राफ्ट दिया है।

【कार्यवाही- सभी विश्वविद्यालय】

ब-38 पं.रविशंकर विश्वविद्यालय, रायपुर के अध्यादेश क्रमांक 59 में संशोधन.

यह संशोधन प्रस्ताव बी.एड. में प्रवेश नियंत्रण से संबंधित है. यह प्रस्ताव समिति ने मान्य किया और उज्जैन कंस आदर्श अध्यादेश सभी विश्वविद्यालय लागू करें. ऐसा निर्णय लिया गया।

【कार्यवाही-सभी विश्वविद्यालय,】

.. 5 ..

ब-42 अवधेश प्रतापसिंह विश्वविद्यालय, रीवा का अध्यादेश क्रमांक-5 में संशोधन

यह संशोधन का प्रस्ताव अग्रेषण शुल्क में वृद्धि स्वयं इसके वितरण की दर निर्धारित करने के संबंध में है।

समन्वय समिति ने निर्णय लिया है कि सभी विश्वविद्यालय अग्रेषण शुल्क में वृद्धि कर वार्षिक परीक्षा 1993 से दस रुपये कर दें। वितरण की दर में भी सभी विश्वविद्यालय में एक रूपता रहें, इसके लिए आयुक्त स्वयं प्रशासकीय विभाग यथोचित कार्रवाई करें।

[कार्यवाही-सभी विश्वविद्यालय स्वयं उच्च शिक्षा विभाग]

ब-44 विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन का अध्यादेश क्रमांक 8 में संशोधन

वर्ष 1991-92 से सेतु पाठ्यक्रम उत्तीर्ण करने के पश्चात् प्रवेश दिये जाने के संबंध में समन्वय समिति की 43वीं बैठक में लिये गये निर्णय की व्यवस्था न्यायालयों में तबित यापिकाओं में हुए निर्णयानुसार लागू करना समिति ने मान्य किया।

[कार्यवाही-विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन]

ब-65 विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन का अध्यादेश क्रमांक 8 में संशोधन

समन्वय समिति ने सेतु पाठ्यक्रम परीक्षा एक वर्ष और वर्ष 1992-93 में आयोजित किये जाने का निर्णय लिया।

[कार्यवाही-सभी विश्वविद्यालय]

// = विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन =//

= x = x = x = x = x = x = x = x = x =

समन्वय समिति की 46वीं बैठक का कार्य-विवरण

दिनांक 5 एवम् 6 नवम्बर 1992

ब-1 अयोध्या-प्रतापसिंह विश्वविद्यालय, रीवा एवं डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय
एवं
ब-12 सागर का अध्यादेश क्रमांक 4 में संशोधन

शिक्षकों की नियुक्ति सू.जी.सी. द्वारा निर्धारित न्यूनतम
सर्वसम्मान अर्हताओं के अनुरूप किये जाने का प्रस्ताव समन्वय समिति ने मान्य
किया।

कार्यवाही-सभी विश्वविद्यालय।

ब-3 जीवाजी विश्वविद्यालय, ^{जालिम} जबलपुर का अध्यादेश क्रमांक 6/25 में संशोधन

अंक संपरीक्षा अधिवा पुनर्मूल्यांकन पुस्तक में वृद्धि तथा इस पुस्तक को
वापस किये जाने के विद्यमान प्रावधान को समाप्त करने के प्रस्ताव को
समिति ने स्वीकृति दी।

कार्यवाही-सभी विश्वविद्यालय।

ब-4 अयोध्या प्रतापसिंह विश्वविद्यालय, रीवा का अध्यादेश क्रमांक-10/सी में
संशोधन

सारणीयक को प्रस्तावित रूपसे 15/- प्रति दिवस वाहन भत्ता
के बजाय रूपसे 25/- प्रति दिवस समन्वय समिति की बैठक दिनांक से दिया
जाना समिति ने इस शर्त के साथ मान्य किया कि यह वाहन भत्ता
उसी कार्यस्थल पर कर्तव्य कार्य पर उपस्थित विश्वविद्यालय के शिक्षकों/
कर्मचारियों को देय नहीं होगा।

कार्यवाही-सभी विश्वविद्यालय।

समन्वय समिति की 47वीं बैठक का कार्य-विवरण

दिनांक 12 अगस्त 1993

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर का अध्यादेश क्रमांक
45 में संशोधन

उपसमिति ने पी.एच.डी., डी.लिट., डी.एस.सी. एवम्
एल.एल.डी. के लिए सभी विश्वविद्यालयों को एक समान लागू
किये जाने के लिए अध्यादेश प्रारूप प्रस्तुत किये। समन्वय समिति
ने उपरोक्त प्रारूप का समस्त विश्वविद्यालयों के लिए अनुमोदन
किया। उक्त अध्यादेश 1.9.1993 से प्रभावशील होगा।

कार्यवाही-सभी विश्वविद्यालय

समान्वय समिति की 48वीं बैठक का कार्य-विवरण, दिनांक 5 मई 1994

ब-2 विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन का अध्यादेश क्रमांक 5 में संशोधन

समिति ने पुनर्मूल्यांकन के संशोधन प्रस्ताव को अस्वीकृत किया।

॥कार्यवाही-उज्जैन विश्वविद्यालय॥

ब-3 विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन का अध्यादेश क्रमांक 5 में संशोधन

समिति ने प्रस्ताव को अस्वीकृत किया। उपाधि लिखने एवम् जांच करने के लिए परीक्षा पारिश्रमिक की दर उच्च स्तरीय समिति द्वारा पुनरीक्षित अध्यादेश क्रमांक 05 में वर्णित दर के अनुसार होगी।

॥कार्यवाही-उज्जैन विश्वविद्यालय॥

ब-4 विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन का अध्यादेश क्रमांक 5 में संशोधन

समिति ने परीक्षा केन्द्रों को परीक्षा संचालन हेतु दी जाने वाली राशि की दर छेबे में संशोधन बाबत प्रस्ताव अगली बैठक में प्रस्तुत किए जाने का निर्देश दिया।

॥कार्यवाही- उज्जैन विश्वविद्यालय॥

ब-6 विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन का अध्यादेश क्रमांक 27 में संशोधन

एम.बी.ए. के अंशकालिक 3 वर्षीय पाठ्यक्रम से संबंधित होने से ए.आई.सी.टी.ई. की अनुमति आवश्यक होने से निर्णय लिया गया कि राज्य सरकार विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से आवश्यक स्वीकृति लें।

ब-8 विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन का अध्यादेश क्रमांक 32 में संशोधन

समिति ने कम्प्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशन के डिप्लोमा के अतिरिक्त रुपये 500/- लिए जाने की अनुमति प्रदान की।

॥कार्यवाही-उज्जैन विश्वविद्यालय॥

ब-9 विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन का अध्यादेश क्रमांक 35 में संशोधन

समिति ने विधि पाठ्यक्रम के कर्मचारियों के पति/पत्नियों को शिक्षण शुल्क से छूट दिए जाने के प्रस्ताव को अस्वीकृत किया।

॥कार्यवाही-उज्जैन विश्वविद्यालय॥

//= विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन =//

समन्वय समिति की 50वीं बैठक का कार्य-विवरण, दिनांक 17 नवम्बर 1994

ब-6 विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन का अध्यादेश क्रमांक 39 में संशोधन पर विचार

यह प्रस्ताव पोस्ट मास्टर्स डिप्लोमा कोर्स इन एडल्ट/कंटीन्यूइंग एजुकेशन से संबंधित है यह नया पाठ्यक्रम स्ववित्तीय आधार पर चलाया जायेगा। सम्पूर्ण साक्षरता अभियान के संदर्भ में इस पाठ्यक्रम का चलाया जाना पूर्णतः प्रासंगिक है। प्रस्ताव का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।

क्रियान्वयन, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

ब-7 विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन का अध्यादेश क्रमांक 40 में संशोधन पर विचार

जनसंख्या शिक्षा/ग्रामीण अध्ययन/जन संचार माध्यम स्वयंसेवकता का स्नातकोत्तर डिग्री कोर्स चलाये जाने हेतु यह प्रस्ताव स्ववित्तीय योजना के अंतर्गत संचालित होगा। समिति द्वारा प्रस्ताव अनुमोदित किया गया।

क्रियान्वयन-विक्रम विश्वविद्यालय

ब-13 विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन का अध्यादेश क्रमांक 4 में संशोधन

यह अध्यादेश शिक्षकों की वैश्विक अर्हताएँ विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निर्धारित अर्हताओं के अनुरूप किये जाने के विषय में है। प्रस्ताव को सर्व-सम्मति से मान्य किया गया।

क्रियान्वयन, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

ब-14 विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन का अध्यादेश क्रमांक 27 में संशोधन

उक्त प्रस्ताव एम.बी.ए. पूर्णकालिक पाठ्यक्रम में अंकित भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद्, नई दिल्ली के निर्देशानुसार 30 से बढ़ा कर 60 स्थान करने के विषय में है। प्रस्ताव स्ववित्तीय योजना के अंतर्गत है। इसे सर्व-सम्मति से अनुमोदित किया गया।

क्रियान्वयन, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

